भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं . 2399
07 अगस्त, 2026 को जवाब दिया

भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त भारतीय हथकरघा उत्पादों हेतु वैश्विक पहचान

2399 **श्री अमर पाल मौर्यः**
श्रीमती माया नारोलियाः
श्री बृज लालः
श्री लहर सिंह सिरोयाः
श्री राजेश परमानंद शुक्ल:
श्रीमती दर्शना सिंहः
श्री कणाद पुरकायस्थः

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त भारतीय हथकरघा उत्पादों को वैश्विक पहचान तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा शिखर सम्मेलनों के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही विशिष्ट कार्यनीतियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का लक्ष्य जीआई-टैग प्राप्त हथकरघा उत्पादों को स्थानीय बाजारों से वैश्विक मंच तक पहुंचाने हेतु विशेष उपाय लागू करना है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (ग): वस्त्र मंत्रालय, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के तहत अखिल भारतीय स्तर पर जीआई हथकरघा उत्पादों के लिए वस्तुओं के भौगोलिक उपदर्शन (जीआई) अधिनियम (पंजीकरण एवं संरक्षण) 1999 के प्रावधानों को बढ़ावा देता है।

इस योजना के अंतर्गत, डिज़ाइन/उत्पादों के पंजीकरण, प्रशिक्षण प्रदान करने और जीआई पंजीकरण के प्रभावी प्रवर्तन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीआई हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए शिखर सम्मेलन/सेमिनार, कॉन्क्लेव, वर्कशॉप आदि का आयोजन किया जाता हैं।

वर्ष 2024 में "जीआई एंड बियॉन्ड - विरासत से विकास तक" नामक एक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक दर्शकों के सामने विभिन्न क्षेत्रों के जीआई टैग वाले हथकरघा उत्पादों के अद्वितीय सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को उजागर और प्रचारित करते हुए उनकी प्रमाणिकता और शिल्प कौशल का प्रदर्शन करना था। इस सम्मेलन के मुख्य परिणामों में जीआई टैग वाले हथकरघा बुनकरों को मार्केटिंग के अवसर, उपभोक्ता बाजार की समझ, वैश्विक रुझान आदि की जानकारी देना और खरीदारों के बीच जीआई टैग वाले उत्पादों का प्रचार करना आदि शामिल रहें। इस कार्यक्रम में जीआई अधिकृत उपयोगकर्ताओं, विदेशी खरीदारों, घरेलू निर्यातकों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों आदि ने भाग लिया।

****